मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक
# मृदुल पत्रिका
Mridul Patrika
राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 वर्ष 17 मूल्य 2.00 रुपए अंक 267 | जयपुर, मंगलवार, 12 मई, 2026 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

# सीएसआईआर-सीरी, जयपुर परिसर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का हुआ भव्य आयोजन

## राज्यपाल बागड़े मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

पिलानी/जयपुर (मृदुल पत्रिका)। सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी) के जयपुर परिसर में 11 मई, 2026 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने की। पारंपरिक रूप से समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर विज्ञान भारती-राजस्थान के सचिव मेघेन्द्र शर्मा तथा अन्य गणमान्य प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने

उपस्थित जनों को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की बधाई देते हुए अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी किसी भी राष्ट्र की प्रगति के मूल आधार हैं। उन्होंने प्राचीन भारतीय विज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए वैज्ञानिक संस्?थानों को आधुनिक विज्ञान के साथ सामंजस्?य बैठाकर आगे बढ़ने की बात की। उन्होंने सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित स्वदेशी तकनीकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संस्थान देश को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

इससे पूर्व कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों, अनुसंधान गतिविधियों एवं अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर-सीरी आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने हेतु निरंतर कार्यरत है। उन्होंने लक्ष्य प्राप्ति के लिए देश के सभी नागरिकों से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। विज्ञान भारती-राजस्थान के सचिव डॉ मेघेन्द्र शर्मा ने भी देश के विकास के लिए शिक्षा, उद्योग जगत एवं शोध संस्थानों को मिलकर कार्यकरने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने विज्ञान भारती द्वारा प्रकाशित राजस्थान विज्ञान महोत्सव नामक पुस्तक और विद्यार्थी विज्ञान मंथन पोस्टर का भी विमोचन किया।

राज्यपाल एवं अन्य अतिथियों ने इस अवसर पर सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों की विशेष प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रदर्शनी में संस्थान की अनुसंधान एवं नवाचार क्षमताओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित पेनल चर्चा में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ-साथ देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलपति, निदेशक एवं अन्य अधिकारियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम संचालन डॉ नीरज कुमार, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने किया।